एआई, साइबर सिक्योरिटी एवं इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज में युवाओं को तैयार करेगा 45 दिवसीय बूट कैंप : प्रो. जे.पी. पांडेय

दिनांक : 09 जून 2026
स्थान : महाराणा प्रताप इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमपीआईटी), गोरखपुर

महाराणा प्रताप इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गोरखनाथ, गोरखपुर स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में आज "एआई, साइबर सिक्योरिटी एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज बूट कैंप-2026" के उद्घाटन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह 45 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम विशेष रूप से उन विद्यार्थियों के लिए तैयार किया गया है जो अपने शैक्षणिक एवं व्यावसायिक जीवन के प्रारम्भिक चरण में हैं और भविष्य की उभरती हुई प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में कौशल विकसित करना चाहते हैं। कार्यक्रम में डिप्लोमा, बी.टेक., बी.एससी. एवं अन्य प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों के साथ-साथ हाल ही में दसवीं एवं बारहवीं उत्तीर्ण छात्र-छात्राएं भी प्रतिभाग कर रहे हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी, ड्रोन टेक्नोलॉजी, 3डी प्रिंटिंग तथा अन्य इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज के क्षेत्र में थ्योरिटिकल नॉलेज एवं हैंड्स-ऑन एक्सपीरियंस प्रदान करना है, जिससे वे अपने भविष्य के कैरियर चयन एवं इंडस्ट्री 4.0 आधारित अवसरों के लिए स्वयं को तैयार कर सकें।

कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन, दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के माननीय कुलपति प्रोफेसर डॉ. जे.पी. पांडेय रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर के वरिष्ठ सदस्य श्री रामजन्म सिंह ने की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री प्रमथनाथ मिश्रा रहे।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में संस्थान के निदेशक प्रोफेसर सुधीर अग्रवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि वर्तमान समय तीव्र तकनीकी परिवर्तन का युग है और आने वाला समय उन्हीं लोगों का होगा जो स्वयं को निरंतर नई तकनीकों के अनुरूप विकसित करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि आज केवल डिग्री पर्याप्त नहीं है बल्कि स्किल्स, क्रिएटिविटी, इनोवेशन, क्यूरियोसिटी तथा प्रॉब्लम सॉल्विंग एबिलिटी सफलता के वास्तविक आधार हैं। उन्होंने कहा कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक शिक्षा नहीं बल्कि प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण, हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग तथा वास्तविक समस्याओं पर कार्य करने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह बूट कैंप केवल एक प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं बल्कि एक संरचित लर्निंग प्रोसेस है जो प्रतिभागियों के व्यक्तित्व विकास, चरित्र निर्माण और राष्ट्र निर्माण में योगदान की भावना को भी विकसित करेगा। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि

यह समय सीखने, खोजने, प्रयोग करने और नवाचार करने का है तथा जितना अधिक हम स्किलफुल होंगे उतने ही अधिक सफल होंगे।

विशिष्ट अतिथि श्री प्रमथनाथ मिश्रा ने अपने संबोधन में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की गौरवशाली विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 1932 में राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज द्वारा स्थापित परिषद ने शिक्षा एवं चिकित्सा के माध्यम से समाज सेवा और क्षेत्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में परिषद के अंतर्गत संचालित पचास से अधिक संस्थान समाज और राष्ट्र निर्माण की दिशा में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस उसी दूरदर्शी सोच का परिणाम है जिसके माध्यम से युवाओं को भविष्य की तकनीकों से जोड़कर राष्ट्रीय विकास में उनकी भूमिका सुनिश्चित की जा रही है।

कार्यक्रम की विषयवस्तु पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि आज एआई, साइबर सिक्योरिटी और इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुकी हैं। उन्होंने ट्रैफिक मैनेजमेंट, इंटेलिजेंट ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम, ऑटोमैटिक चालान, डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, यूपीआई आधारित भुगतान प्रणाली, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर, ड्रोन आधारित मैपिंग एवं सर्वेइंग, क्लाइमेट मॉनिटरिंग, हेल्थकेयर तथा हियरिंग एड्स जैसे अनेक उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि तकनीक किस प्रकार जीवन को अधिक प्रभावी और सुविधाजनक बना रही है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आने वाला समय पूर्णतः एआई ड्रिवन होगा और युवाओं को इसके लिए अभी से तैयार होना होगा।

मुख्य अतिथि एवं माननीय कुलपति प्रोफेसर डॉ. जे.पी. पांडेय ने अपने प्रेरणादायी एवं ज्ञानवर्धक उद्बोधन में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, एमपीआईटी तथा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की पूरी टीम को इस अभिनव पहल के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत की यात्रा में टेक्नोलॉजी अवेयरनेस एवं टेक्नोलॉजी एडॉप्शन की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। एआई, साइबर सिक्योरिटी एवं इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज पर आधारित यह 45 दिवसीय बूट कैंप युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करने की दिशा में एक उत्कृष्ट प्रयास है।

उन्होंने विशेष रूप से कार्यक्रम की संरचना की सराहना करते हुए कहा कि 15 घंटे के क्लासरूम सेशन्स एवं 30 घंटे के हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग मॉड्यूल का संयोजन विद्यार्थियों को वास्तविक तकनीकी दक्षता प्रदान करेगा। उन्होंने घोषणा की कि ए.के.टी.यू. की स्वीकृति के आधार पर इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले प्रतिभागियों को दो अकादमिक क्रेडिट प्रदान किए जाएंगे, जो उनके एबीसी आईडी में दर्ज होंगे और उनके शैक्षणिक जीवन की स्थायी उपलब्धि बनेंगे।

प्रो. पांडेय ने एआई, क्वांटम कम्प्यूटिंग, सेमीकंडक्टर, स्पेस टेक्नोलॉजी एवं साइबर सिक्योरिटी को भविष्य की निर्णायक प्रौद्योगिकियां बताते हुए कहा कि किसी भी राष्ट्र की तकनीकी शक्ति और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता इन क्षेत्रों में उसकी क्षमता पर निर्भर करेगी। उन्होंने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में उपलब्ध उच्च क्षमता वाले जीपीयू सर्वर्स एवं सुपर कम्प्यूटिंग सुविधाओं की सराहना करते हुए कहा कि देश में बहुत कम संस्थानों को ऐसी सुविधाएं प्राप्त हैं और यह यहां के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए एक असाधारण अवसर है।

उन्होंने कहा कि भारत आज विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और आने वाले वर्षों में नवाचार, अनुसंधान एवं इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज का व्यापक उपयोग देश को विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने नोकिया, एप्पल एवं नेटफ्लिक्स जैसे वैश्विक उदाहरणों के माध्यम से नवाचार, परिवर्तन को स्वीकार करने और समय के साथ स्वयं को विकसित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि क्वांटम टेक्नोलॉजी भविष्य की अत्यंत महत्वपूर्ण तकनीक है और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में इस क्षेत्र में भी प्रशिक्षण एवं अनुसंधान गतिविधियां प्रारम्भ की जानी चाहिए।

साइबर सिक्योरिटी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे डिजिटल टेक्नोलॉजीज का विस्तार हो रहा है, वैसे-वैसे साइबर जोखिम भी बढ़ रहे हैं। डिजिटल युग में साइबर सिक्योरिटी केवल तकनीकी आवश्यकता नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का महत्वपूर्ण विषय बन चुकी है। साइबर वारफेयर, जियोपॉलिटिकल चुनौतियों तथा राष्ट्रीय सुरक्षा के संदर्भ में इसकी भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होने जा रही है। उन्होंने कहा कि भारत को आने वाले समय में तकनीकी शक्ति के साथ-साथ सेमीकंडक्टर हब के रूप में भी विकसित होना होगा तथा उत्तर प्रदेश को भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए।

अपने संबोधन में उन्होंने एआई और रोजगार के संबंध में प्रचलित भ्रांतियों को दूर करते हुए कहा कि एआई, ऑटोमेशन एवं रोबोटिक्स रोजगार समाप्त नहीं करेंगे बल्कि रोजगार के नए अवसर, नए उद्योग और नई संभावनाओं का सृजन करेंगे। आवश्यकता केवल निरंतर अपस्किलिंग, क्रिएटिविटी, इनोवेशन और प्रॉब्लम सॉल्विंग एप्रोच विकसित करने की है। उन्होंने विद्यार्थियों से नई तकनीकों को अपनाने तथा जीवनपर्यंत सीखते रहने का आह्वान किया।

इस अवसर पर उन्होंने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में एक अभिनव पहल प्रारम्भ करने का सुझाव भी दिया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को एआई एवं एलएलएम आधारित प्रोजेक्ट मॉडल विकसित करने के लिए प्रेरित किया जाए। इन मॉडलों का एक संकलन पुस्तक के रूप में तैयार किया जाए तथा संस्थान की वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाए। उन्होंने घोषणा की कि निर्धारित मूल्यांकन प्रक्रिया के आधार पर चयनित पांच सर्वश्रेष्ठ प्रोजेक्ट मॉडलों को ए.के.टी.यू. स्तर पर सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री रामजन्म सिंह ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में स्किल से इनोवेशन तक की यात्रा पर विशेष बल देते हुए कहा कि विकसित भारत एवं विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण में तकनीकी कौशल की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस द्वारा दसवीं, ग्यारहवीं एवं बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज आधारित सर्टिफिकेशन कार्यक्रम विकसित किए जा रहे हैं, जिससे युवाओं को प्रारम्भिक स्तर पर ही भविष्य की तकनीकों से परिचित कराया जा सके। उन्होंने कहा कि आज प्रत्येक आयु वर्ग के व्यक्ति के लिए नई तकनीकों को सीखना, समझना और अपनाना आवश्यक हो गया है।

उन्होंने भगवद्गीता के सूत्र "योगः कर्मसु कौशलम्" का उल्लेख करते हुए कहा कि आज के युग में कौशलपूर्ण कार्य ही वास्तविक योग है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे अपनी ऊर्जा, प्रतिभा और नवाचार क्षमता का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करें तथा तकनीक को केवल उपभोग का साधन न मानकर परिवर्तन का माध्यम बनाएं।

कार्यक्रम के अंत में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर श्री सचिदानंद चतुर्वेदी ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं आयोजन समिति के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन सुश्री अर्जिता दुबे द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह के उपरांत प्रतिभागियों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, सुपर कम्प्यूटिंग सुविधाओं, एआई लैब, साइबर सिक्योरिटी इंफ्रास्ट्रक्चर, ड्रोन टेक्नोलॉजी एवं 3डी प्रिंटिंग सुविधाओं का परिचय कराया गया तथा आगामी 45 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया गया।

यह बूट कैंप विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकों के प्रति जागरूक, कौशलयुक्त, नवाचारोन्मुख एवं उद्योगोन्मुख बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा तथा विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की सहभागिता को और अधिक सशक्त करेगा।